

संस्थाओं के निबन्धन का पुनर्गण-पत्र

(सेक्ट २१, १८६०)

संख्या-१४६-वर्ष १८६६-१८६८

मेरे द्वारा पुनर्गणित करता हूँ कि

छिछु गिराणा गुवद्वे

अभिनि, बिद्वान्

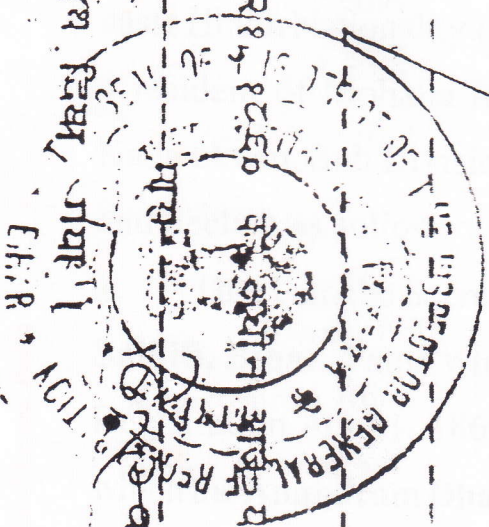
सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन सेक्ट २१, १८६० के अधीन आर्क यथावत् निबन्धित हुआ/हुई।

आज तारीख

२१/१२

वर्ष जन्मिष सो पत्रक-३

पत्रको मेरे हस्ताक्षर के साथ दिया गया।



२००१/१४

११० महाभिरचित्त, निबन्धन, बिहार।